Neem Karoli Baba Vinay Chalisa Lyrics with Meaning in Hindi and English

Neem Karoli Baba Vinay Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
मैं हूँ बुद्धि मलीन अति । श्रद्धा भक्ति विहीन ॥
करूँ विनय कछु आपकी । हो सब ही विधि दीन ॥

॥ चौपाई ॥
जय जय नीब करोली बाबा । कृपा करहु आवै सद्भावा ॥

कैसे मैं तव स्तुति बखानू । नाम ग्राम कछु मैं नहीं जानूँ ॥

जापे कृपा द्रिष्टि तुम करहु । रोग शोक दु:ख दारिद हरहु ॥

तुम्हरौ रूप लोग नहीं जानै । जापै कृपा करहु सोई भानै ॥

करि दे अर्पन सब तन मन धन । पावै सुख अलौकिक सोई जन ॥

दरस परस प्रभु जो तव करई । सुख सम्पति तिनके घर भरई ॥

जय जय संत भक्त सुखदायक । रिद्धि सिद्धि सब सम्पति दायक ॥

तुम ही विष्णु राम श्री कृष्णा । विचरत पूर्ण कारन हित तृष्णा ॥

जय जय जय जय श्री भगवंता । तुम हो साक्षात् हनुमंता ॥

कही विभीषण ने जो बानी । परम सत्य करि अब मैं मानी ॥

बिनु हरि कृपा मिलहि नहीं संता । सो करि कृपा करहि दु:ख अंता ॥

सोई भरोस मेरे उर आयो । जा दिन प्रभु दर्शन मैं पायो ॥

जो सुमिरै तुमको उर माहि । ताकि विपति नष्ट ह्वै जाहि ॥

जय जय जय गुरुदेव हमारे । सबहि भाँति हम भये तिहारे ॥

हम पर कृपा शीघ्र अब करहु । परम शांति दे दु:ख सब हरहु ॥

रोक शोक दु:ख सब मिट जावै । जपै राम रामहि को ध्यावै ॥

जा विधि होई परम कल्याणा । सोई सोई आप देहु वरदाना ॥

सबहि भाँति हरि ही को पूजे । राग द्वेष द्वंदन सो जूझे ॥

करै सदा संतन की सेवा । तुम सब विधि सब लायक देवा ॥

सब कुछ दे हमको निस्तारो । भवसागर से पार उतारो ॥

मैं प्रभु शरण तिहारी आयो । सब पुण्यन को फल है पायो ॥

जय जय जय गुरुदेव तुम्हारी । बार बार जाऊं बलिहारी ॥

सर्वत्र सदा घर घर की जानो । रूखो सूखो ही नित खानो ॥

भेष वस्त्र है सादा ऐसे । जाने नहीं कोउ साधू जैसे ॥

ऐसी है प्रभु रहनी तुम्हारी । वाणी कहो रहस्यमय भारी ॥

नास्तिक हूँ आस्तिक ह्वै जावै । जब स्वामी चेटक दिखलावै ॥

सब ही धर्मन के अनुयायी । तुम्हे मनावै शीश झुकाई ॥

नहीं कोउ स्वारथ नहीं कोउ इच्छा । वितरण कर देउ भक्तन भिक्षा ॥

केही विधि प्रभु मैं तुम्हे मनाऊँ । जासो कृपा-प्रसाद तव पाऊँ ॥

साधु सुजन के तुम रखवारे । भक्तन के हो सदा सहारे ॥

दुष्टऊ शरण आनी जब परई । पूरण इच्छा उनकी करई ॥

यह संतन करि सहज सुभाऊ । सुनी आश्चर्य करई जनि काउ ॥

ऐसी करहु आप अब दाया । निर्मल होई जाइ मन और काया ॥

धर्म कर्म में रूचि होई जावे । जो जन नित तव स्तुति गावै ॥

आवे सद्गुन तापे भारी । सुख सम्पति सोई पावे सारी ॥

होय तासु सब पूरन कामा । अंत समय पावै विश्रामा ॥

चारि पदारथ है जग माहि । तव कृपा प्रसाद कछु दुर्लभ नाही ॥

त्राहि त्राहि मैं शरण तिहारी । हरहु सकल मम विपदा भारी ॥

धन्य धन्य बड़ भाग्य हमारो । पावै दरस परस तव न्यारो ॥

कर्महीन अरु बुद्धि विहीना । तव प्रसाद कछु वर्णन कीन्हा ॥

॥ दोहा ॥
श्रद्धा के यह पुष्प कछु । चरणन धरी सम्हार ॥
कृपासिन्धु गुरुदेव प्रभु । करी लीजै स्वीकार ॥

Neem Karoli Baba Vinay Chalisa Meaning in Hindi

नीब करोली बाबा चालीसा का हिंदी अर्थ

॥ दोहा ॥
मैं हूँ बुद्धि मलीन अति । श्रद्धा भक्ति विहीन ॥

- मैं अत्यंत अज्ञान और कमजोर बुद्धि वाला हूं, मुझमें श्रद्धा और भक्ति की कमी है।

करूँ विनय कछु आपकी। हो सब ही विधि दीन॥

- मैं आपके सामने कुछ विनती करता हूं, आप सभी प्रकार से कृपा कर मुझे दीन-हीन बना दें।

॥ चौपाई ॥
जय जय नीब करोली बाबा। कृपा करहु आवै सद्भावा॥

- जय हो, जय हो नीब करोली बाबा! कृपया कृपा करें और मेरे मन में शुभ भावनाएं लाएं।

कैसे मैं तव स्तुति बखानू। नाम ग्राम कछु मैं नहीं जानूँ॥

- मैं आपकी स्तुति कैसे करूं? मैं तो आपका सही नाम और स्थान भी नहीं जानता।

जापे कृपा द्रिष्टि तुम करहु। रोग शोक दु:ख दारिद हरहु॥

- यदि आप कृपा दृष्टि करें तो सभी रोग, शोक, दुख और दरिद्रता दूर हो जाए।

तुम्हरौ रूप लोग नहीं जानै। जापै कृपा करहु सोई भानै॥

- आपके वास्तविक रूप को कोई नहीं जानता। जो आपकी कृपा से लाभ प्राप्त करता है, वही इसे समझ पाता है।

करि दे अर्पन सब तन मन धन। पावै सुख अलौकिक सोई जन॥

- जो व्यक्ति अपने तन, मन और धन को आपको अर्पित करता है, वही अद्भुत सुखों को प्राप्त करता है।

दरस परस प्रभु जो तव करई। सुख सम्पति तिनके घर भरई॥

- जो व्यक्ति आपके दर्शन और स्पर्श करता है, उसके घर में सुख और समृद्धि भर जाती है।

जय जय संत भक्त सुखदायक। रिद्धि सिद्धि सब सम्पति दायक॥

- जय हो, हे संतों के प्रिय बाबा! आप सुख और संपत्ति, रिद्धि-सिद्धि देने वाले हैं।

तुम ही विष्णु राम श्री कृष्णा। विचरत पूर्ण कारन हित तृष्णा॥

- आप ही भगवान विष्णु, श्रीराम और श्रीकृष्ण हैं, जो संसार में पूर्ण कारण और इच्छाओं को पूरा करने हेतु विचरण करते हैं।

जय जय जय जय श्री भगवंता। तुम हो साक्षात् हनुमंता॥

- जय हो, हे प्रभु! आप साक्षात हनुमानजी के स्वरूप हैं।

कही विभीषण ने जो बानी। परम सत्य करि अब मैं मानी॥

- विभीषण ने जो कहा था, वह बात अब मैं सत्य मानता हूं।

बिनु हरि कृपा मिलहि नहीं संता। सो करि कृपा करहि दुःख अंता॥

- भगवान की कृपा के बिना संतों का सान्निध्य नहीं मिलता। कृपया अपनी कृपा करें और मेरे सभी दुखों का अंत करें।

सोई भरोस मेरे उर आयो। जा दिन प्रभु दर्शन मैं पायो॥

- जिस दिन मैंने आपके दर्शन किए, उस दिन से मेरे हृदय में आपका भरोसा आ गया।

जो सुमिरै तुमको उर माहि। ताकि विपति नष्ट ह्वै जाहि॥

- जो व्यक्ति अपने हृदय में आपको स्मरण करता है, उसकी सारी विपत्तियां नष्ट हो जाती हैं।

जय जय जय गुरुदेव हमारे। सबहि भाँति हम भये तिहारे॥

- जय हो, जय हो हमारे गुरुदेव! अब हम हर प्रकार से आपके हो गए हैं।

हम पर कृपा शीघ्र अब करहु। परम शांति दे दुःख सब हरहु॥

- अब हम पर शीघ्र ही कृपा करें, हमें परम शांति दें और सभी दुख दूर करें।

रोक शोक दुःख सब मिट जावै। जपै राम रामहि को ध्यावै॥

- जो व्यक्ति राम-राम का जप और ध्यान करता है, उसके सभी रोग, शोक और दुख समाप्त हो जाते हैं।

जा विधि होई परम कल्याणा। सोई सोई आप देहु वरदाना॥

- जिस विधि से परम कल्याण हो सकता है, कृपया उसी प्रकार हमें वरदान दें।

सबहि भाँति हरि ही को पूजे। राग द्वेष द्वंदन सो जूझे॥

- जो व्यक्ति भगवान की पूजा करता है, वह सभी प्रकार के राग, द्वेष और द्वंद्वों से मुक्त हो जाता है।

करै सदा संतन की सेवा। तुम सब विधि सब लायक देवा॥

- जो व्यक्ति संतों की सेवा करता है, वह सभी योग्यताओं और साधनों को प्राप्त करता है।

सब कुछ दे हमको निस्तारो। भवसागर से पार उतारो॥

- हे प्रभु! हमें सब कुछ प्रदान कर, इस संसार सागर से पार लगाएं।

मैं प्रभु शरण तिहारी आयो। सब पुण्यन को फल है पायो॥

- मैं आपकी शरण में आया हूं और आपके आशीर्वाद से सभी पुण्यों का फल प्राप्त कर लिया है।

जय जय जय गुरुदेव तुम्हारी। बार बार जाऊं बलिहारी॥

- जय हो, जय हो गुरुदेव! मैं बार-बार आपके प्रति बलिहारी जाता हूं।

सर्वत्र सदा घर घर की जानो। रूखो सूखो ही नित खानो॥

- आप हर जगह और हर घर में पहचाने जाते हैं। आप सादा और रूखा-सूखा भोजन ही ग्रहण करते हैं।

भेष वस्त्र है सादा ऐसे। जाने नहीं कोउ साधू जैसे॥

- आपका भेष और वस्त्र अत्यंत साधारण हैं। कोई आपको साधारण साधु भी नहीं समझ पाता।

ऐसी है प्रभु रहनी तुम्हारी। वाणी कहो रहस्यमय भारी॥

- हे प्रभु! आपकी जीवनशैली इतनी सरल और रहस्यमय है कि उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

नास्तिक हूँ आस्तिक ह्वै जावै। जब स्वामी चेटक दिखलावै॥

- नास्तिक व्यक्ति भी आस्तिक बन जाता है जब वह आपके चमत्कारों को देखता है।

सब ही धर्मन के अनुयायी। तुम्हे मनावै शीश झुकाई॥

- सभी धर्मों के अनुयायी आपको मानते हैं और आपके समक्ष शीश झुकाते हैं।

नहीं कोउ स्वारथ नहीं कोउ इच्छा। वितरण कर देउ भक्तन भिक्षा॥

- आपको किसी प्रकार का स्वार्थ या कोई विशेष इच्छा नहीं है। आप तो भक्तों को कृपा और आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

केही विधि प्रभु मैं तुम्हे मनाऊँ। जासो कृपा-प्रसाद तव पाऊँ॥

- हे प्रभु ! मैं किस विधि से आपकी आराधना करूं ताकि आपकी कृपा और प्रसाद प्राप्त कर सकूं ?

साधु सुजन के तुम रखवारे। भक्तन के हो सदा सहारे॥

- आप साधु और सज्जन व्यक्तियों के रक्षक हैं। भक्तों के लिए आप सदा सहारा बने रहते हैं।

दुष्टऊ शरण आनी जब परई। पूरण इच्छा उनकी करई॥

- यहां तक कि जब कोई दुष्ट भी आपकी शरण में आता है, तो आप उसकी भी इच्छाएं पूरी कर देते हैं।

यह संतन करि सहज सुभाऊ। सुनी आश्चर्य करई जनि काउ॥

- संतों की यह सहज प्रवृत्ति है। इसे देखकर किसी को आश्चर्य नहीं करना चाहिए।

ऐसी करहु आप अब दाया। निर्मल होई जाइ मन और काया॥

- कृपया ऐसी दया करें कि मेरा मन और शरीर दोनों पवित्र हो जाएं।

धर्म कर्म में रूचि होई जावे। जो जन नित तव स्तुति गावै॥

- जो व्यक्ति प्रतिदिन आपकी स्तुति करता है, उसमें धर्म और कर्म के प्रति रुचि उत्पन्न होती है।

आवे सद्गुन तापे भारी। सुख सम्पति सोई पावे सारी॥

- उसके जीवन में सद्गुण प्रकट होते हैं और वह सभी सुख-संपत्ति प्राप्त करता है।

होय तासु सब पूरन कामा। अंत समय पावै विश्रामा॥

- उसके सभी कार्य पूर्ण होते हैं और अंत समय में उसे परम विश्राम (मोक्ष) प्राप्त होता है।

चारि पदारथ है जग माहि । तव कृपा प्रसाद कछु दुर्लभ नाही ॥

- संसार में चारों प्रकार की सिद्धियां आपकी कृपा से प्राप्त होती हैं। आपके लिए कुछ भी दुर्लभ नहीं है।

त्राहि त्राहि मैं शरण तिहारी । हरहु सकल मम विपदा भारी ॥

- हे प्रभु ! मैं आपकी शरण में आया हूं। कृपया मेरी सारी भारी विपत्तियों को दूर करें।

धन्य धन्य बड़ भाग्य हमारो । पावै दरस परस तव न्यारो ॥

- धन्य है मेरा सौभाग्य जो मैंने आपके दिव्य दर्शन और स्पर्श का लाभ प्राप्त किया।

कर्महीन अरु बुद्धि विहीना । तव प्रसाद कछु वर्णन कीन्हा ॥

- मैं कर्महीन और बुद्धिहीन हूं, फिर भी आपकी कृपा से कुछ वर्णन कर पाया हूं।

॥ दोहा ॥
श्रद्धा के यह पुष्प कछु । चरणन धरी सम्हार ॥

- ये कुछ श्रद्धा के पुष्प आपके चरणों में अर्पित कर रहा हूं। कृपया इन्हें स्वीकार करें।

कृपासिन्धु गुरुदेव प्रभु । करी लीजै स्वीकार ॥

- हे कृपा के सागर, हे गुरुदेव ! आप कृपया इन विनम्र प्रार्थनाओं को स्वीकार करें।

Neem Karoli Baba Vinay Chalisa Lyrics in English

॥ Doha ॥
Main hoon buddhi maleen ati। Shraddha bhakti viheen।
Karu vinay kachu aapki। Ho sab hi vidhi deen।

□ Chaupai □
Jay Jay Neeb Karoli Baba□ Kripa karahu aavai sadbhava□
Kaise main tav stuti bakhanu□ Naam gram kachu main nahi janu□

Jaape kripa drishti tum karahu□ Rog shok dukh darid harahu□
Tumharo roop log nahi jaanai□ Jaapai kripa karahu soi bhaanai□

Kari de arpan sab tan man dhan□ Paavai sukh alaukik soi jan□
Daras paras prabhu jo tav karai□ Sukh sampati tinake ghar bharai□

Jay Jay sant bhakt sukhdayak□ Riddhi siddhi sab sampati dayak□
Tum hi Vishnu Ram Shri Krishna□ Vicharat poorn kaaran hit trishna□

Jay Jay Jay Jay Shri Bhagwanta□ Tum ho sakshaat Hanumanta□
Kahi Vibhishan ne jo baani□ Param satya kari ab main maani□

Binu Hari kripa milahi nahi santa□ So kari kripa karahi dukh anta□
Soi bharos mere ur aayo□ Ja din prabhu darshan main paayo□

Jo sumirai tumko ur maahi□ Taaki vipati nasht hvai jaahi□
Jay Jay Jay Gurudev hamaare□ Sabahi bhaanti hum bhaye tihare□

Hum par kripa sheeghr ab karahu□ Param shanti de dukh sab harahu□
Rok shok dukh sab mit jaavai□ Japai Ram Ram hi ko dhyaavai□

Jaa vidhi hoi param kalyana□ Soi soi aap dehu varadana□
Sabahi bhaanti Hari hi ko pooje□ Raag dvesh dvandan so joozhe□

Karai sada santan ki seva□ Tum sab vidhi sab layak deva□
Sab kuchh de humko nistaro□ Bhavsagar se paar utaaro□

Main prabhu sharan tihari aayo□ Sab punyan ko phal hai paayo□
Jay Jay Jay Gurudev tumhari□ Baar baar jaaun balihaari□

Sarvatra sada ghar ghar ki jaano□ Rukho sukho hi nit khaano□
Bhes vastra hai saada aise□ Jaane nahi kou sadhu jaise□

Aisi hai prabhu rahani tumhari□ Vaani kaho rahasyamay bhaari□

Nastik hoon aastik hvai jaavai□ Jab Swami chetak dikhlaavai□

Sab hi dharman ke anuyayi□ Tumhe manaavai sheesh jhukaai□
Nahi kou swarth nahi kou ichchha□ Vitran kar deu bhaktan bhiksha□

Kehi vidhi prabhu main tumhe manaun□ Jaaso kripa-prasad tav paun□
Sadhu sujan ke tum rakhware□ Bhaktan ke ho sada sahare□

Dushtau sharan aani jab parai□ Puran ichchha unki karai□
Yah santan kari sahaj subhaau□ Suni aashcharya karai jani kaau□

Aisi karahu aap ab daya□ Nirmal hoi jaai man aur kaya□
Dharma karma mein ruchi hoi jaavai□ Jo jan nit tav stuti gaavai□

Aavai sadgun tape bhaari□ Sukh sampati soi paavai saari□
Hoi taasu sab poorn kaama□ Ant samay paavai vishraama□

Chari padarath hai jag maahi□ Tav kripa prasad kachu durlabh naahi□
Traahi traahi main sharan tihari□ Harahu sakal mam vipda bhaari□

Dhanya dhanya bad bhaagya hamaaro□ Paavai daras paras tav nyaro□
Karmheen aru buddhi viheena□ Tav prasad kachu varnan keenha□

□ Doha □
Shraddha ke yah pushp kachu□ Charanan dhari samhaar□
Kripasindhu Gurudev Prabhu□ Kari lijae sveekar□

Neem Karoli Baba Vinay Chalisa Meaning in English

□ Doha □
Main hoon buddhi maleen ati□ Shraddha bhakti viheen□

- I am a person of weak intellect, lacking both faith and devotion.

Karu vinay kachu aapki□ Ho sab hi vidhi deen□

- I humbly bow before you, seeking to be blessed with humility in every way.

□ Chaupai □
Jay Jay Neeb Karoli Baba□ Kripa karahu aavai sadbhava□

- Hail, hail Neem Karoli Baba! Please bestow your grace and instill good intentions in me.

Kaise main tav stuti bakhanu□ Naam gram kachu main nahi janu□

- How can I sing your praises? I do not even know your full name or the place you come from.

Jaape kripa drishti tum karahu□ Rog shok dukh darid harahu□

- If you cast your merciful glance, all diseases, sorrows, sufferings, and poverty will be eliminated.

Tumharo roop log nahi jaanai□ Jaapai kripa karahu soi bhaanai□

- No one truly knows your divine form. Only those upon whom you show mercy can understand your greatness.

Kari de arpan sab tan man dhan□ Paavai sukh alaukik soi jan□

- Those who dedicate their body, mind, and wealth to you receive extraordinary, divine happiness.

Daras paras prabhu jo tav karai□ Sukh sampati tinake ghar bharai□

- Those who have your divine vision or touch are blessed with happiness and prosperity in their homes.

Jay Jay sant bhakt sukhdayak□ Riddhi siddhi sab sampati dayak□

- Hail, O giver of joy to saints and devotees! You bestow spiritual powers (riddhi-siddhi) and material wealth.

Tum hi Vishnu Ram Shri Krishna Vicharat poorn kaaran hit trishna

- You are Lord Vishnu, Shri Ram, and Shri Krishna, wandering in the world to fulfill divine purposes.

Jay Jay Jay Jay Shri Bhagwanta Tum ho sakshaat Hanumanta

- Hail, hail, O divine Lord! You are the incarnation of Lord Hanuman himself.

Kahi Vibhishan ne jo baani Param satya kari ab main maani

- Vibhishan’s words about your divinity are now confirmed and true to me.

Binu Hari kripa milahi nahi santa So kari kripa karahi dukh anta

- Without God’s grace, one cannot meet saints. Please be gracious and put an end to my sorrows.

Soi bharos mere ur aayo Ja din prabhu darshan main paayo

- The day I saw you, that day my heart was filled with complete trust in you.

Jo sumirai tumko ur maahi Taaki vipati nasht hvai jaahi

- Whoever remembers you in their heart, their calamities are destroyed instantly.

Jay Jay Jay Gurudev hamaare Sabahi bhaanti hum bhaye tihare

- Hail, hail, O Gurudev! We have become your followers in every way.

Hum par kripa sheeghr ab karahu□ Param shanti de dukh sab harahu□

- Kindly bestow your grace on us soon. Grant us supreme peace and remove all our sufferings.

Rok shok dukh sab mit jaavai□ Japai Ram Ram hi ko dhyaavai□

- Those who meditate on “Ram Ram” are freed from all diseases, grief, and pain.

Jaa vidhi hoi param kalyana□ Soi soi aap dehu varadana□

- Grant us the kind of blessings that bring ultimate welfare and well-being.

Sabahi bhaanti Hari hi ko pooje□ Raag dvesh dvandan so joozhe□

- Those who truly worship Lord Hari are freed from internal conflicts, hatred, and jealousy.

Karai sada santan ki seva□ Tum sab vidhi sab layak deva□

- Those who serve saints regularly become capable of attaining all forms of divine success.

Sab kuchh de humko nistaro□ Bhavsagar se paar utaaro□

- Bless us with everything and help us cross the worldly ocean of suffering.

Main prabhu sharan tihari aayo□ Sab punyan ko phal hai paayo□

- O Lord! I have come to your refuge and have received the fruits of all my virtues.

Jay Jay Jay Gurudev tumhari। Baar baar jaaun balihaari।

- Hail, hail, O Gurudev! I surrender to you again and again in deep reverence.

Sarvatra sada ghar ghar ki jaano। Rukho sukho hi nit khaano।

- You are known everywhere in every household, leading a simple life with modest food.

Bhes vastra hai saada aise। Jaane nahi kou sadhu jaise।

- Your attire is so simple that people may not recognize you as a saint.

Aisi hai prabhu rahani tumhari। Vaani kaho rahasyamay bhaari।

- Such is your way of life, O Lord! Even your speech is filled with deep mysteries.

Nastik hoon aastik hvai jaavai। Jab Swami chetak dikhlaavai।

- A non-believer turns into a believer after witnessing your miraculous powers.

Sab hi dharman ke anuyayi। Tumhe manaavai sheesh jhukaai।

- Followers of all religions bow their heads and honor you.

Nahi kou swarth nahi kou ichchha। Vitran kar deu bhaktan bhiksha।

- You have no selfish desires or personal motives; you distribute blessings to your devotees freely.

Kehi vidhi prabhu main tumhe manaun। Jaaso kripa-prasad tav paun।

- O Lord! How should I worship you to receive your grace and blessings?

Sadhu sujan ke tum rakhware। Bhaktan ke ho sada sahare।

- You are the protector of saints and the eternal support of your devotees.

Dushtau sharan aani jab parai। Puran ichchha unki karai।

- Even when wicked people come to your refuge, you fulfill their wishes.

Yah santan kari sahaj subhaau। Suni aashcharya karai jani kaau।

- It is the natural quality of saints to be merciful; hearing this should not surprise anyone.

Aisi karahu aap ab daya। Nirmal hoi jaai man aur kaya।

- Please show such mercy that my mind and body become pure.

Dharma karma mein ruchi hoi jaavai। Jo jan nit tav stuti gaavai।

- Those who sing your praises daily develop a deep interest in righteous actions and virtues.

Aavai sadgun tape bhaari। Sukh sampati soi paavai saari।

- They acquire all noble qualities and enjoy complete happiness and prosperity.

Hoi taasu sab poorn kaama। Ant samay paavai vishraama।

- All their desires are fulfilled, and they attain eternal peace at the end of their lives.

Chari padarath hai jag maahi Tav kripa prasad kachu durlabh naahi

- The four aims of life (dharma, artha, kama, and moksha) are easily attained through your grace.

Traahi traahi main sharan tihari Harahu sakal mam vipda bhaari

- I seek your refuge, O Lord! Please remove all my heavy misfortunes.

Dhanya dhanya bad bhaagya hamaaro Paavai daras paras tav nyaro

- Blessed, blessed is my great fortune that I have received your unique divine vision and touch.

Karmheen aru buddhi viheena Tav prasad kachu varnan keenha

- Though I am devoid of virtues and wisdom, I have still managed to praise you by your grace.

** Doha **
Shraddha ke yah pushp kachu Charanan dhari samhaar

- I offer these few flowers of devotion at your feet. Please accept them, O Lord!

Kripasindhu Gurudev Prabhu Kari lijae sveekar

- O ocean of mercy, O Gurudev, kindly accept this humble offering.